

राजकयु मार्य मे  
धरुह  
२०११/१७

B

२०११/१७

पत्रावली पेशा हरी वकीलवादी उपस्थित नहीं,  
न ही बाकी उपस्थित। बार-बार भावजे लगवर्षि  
गर्दि फिर भी कोई उपस्थित नहीं। न ही किसीने  
उपस्थिति की। अतः प्रकरण अदम्य धरुही अदम्य  
पेशकी मे स्वरीज किया जाता है। पत्रावली फेरल  
शुमारलेकल नम्वलसे कम ही